This Vaisnava-vrata-talika is sponsored by

INTERNATIONAL PURE BHAKTI YOGA SOCIETY
(KAROL BAGH, NEW DELHI)

Pure *bhakti-yoga*, or selfless loving service to God, was propagated in this world by Sri Caitanya Mahaprabhu – who is Sri Krsna Himself – through *prema-nama-sankirtana*. His eternal associates and authentic representatives also disseminate *bhakti* in this way. In present times, Srila Bhaktivedanta Narayana Gosvami Maharaja's illuminations on pure *bhakti-yoga* have served to enrich the deep significance of Srila Bhaktivinoda Thakura's *nama-hatta* programs, which are enthusiastically continued by the International Pure Bhakti-yoga Society.

The *nama-hatta* programs incorporate activities such as

- REGULAR PROGRAMS OF KIRTANA, HARI-KATHA AND PRASADA DISTRIBUTION IN PEOPLE'S HOMES, IN VARIOUS LOCALITIES
- REGULAR TRIPS TO HOLY PILGRIMAGE PLACES, LIKE VRNDAVANA, NAVADVIPA AND PURI.
- DISTRIBUTION OF LITERATURE PERTAINING TO PURE BHAKTI-YOGA
- SEMINARS AND WORKSHOPS IN COLLEGES, AS WELL AS GOVERNMENT AND CORPORATE OFFICES, ON THE EFFECT OF BHAKTI-YOGA ON IMPROVING CONCENTRATION AND LESSENING STRESS.
- QUESTION & ANSWER SESSIONS FOR STUDENTS ON SPIRITUAL SOLUTIONS FOR THE BASIC PRINCIPLES OF LIFE

For more information contact us at:
9810636370, 9810398406
E-mail: purebhakti.kb@gmail.com,
Website: www.purebhakti.com

॥श्रीश्रीगुरु-गौराङ्गौ जयतः॥

वैष्णव-व्रतोत्सव तालिका

मथुरा-वृन्दावन (अक्षांश–27°30' उत्तर और रेखांश–77°41' पूर्व) के लिए गणित

विक्रम सम्वत् २०६८-२०६९ ई॰ २०१२-२०१३

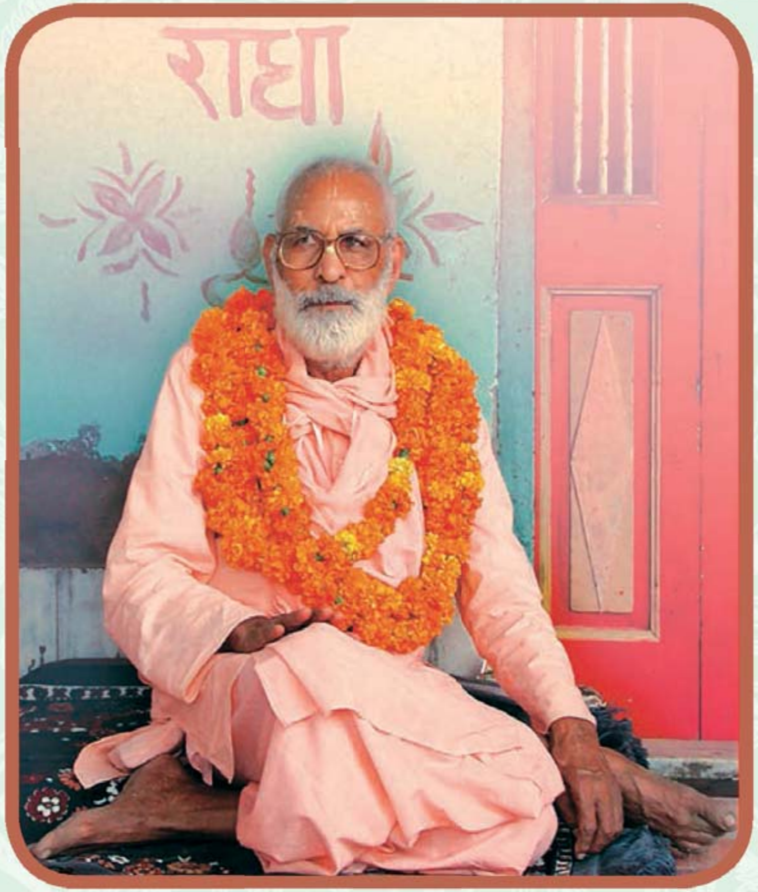

नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराज

गौड़ीय वेदान्त प्रकाशन

एकादशीका माहात्म्य एवं पालनका उद्देश्य

"श्रीकृष्णके लिए एकादशी तिथि जन्माष्टमी तिथिसे भी श्रेष्ठ है। परम करुणामय परमेश्वर श्रीकृष्ण स्वयं माधव-तिथि अर्थात् एकादशी स्वरूपमें मूर्तिमान होकर इस जगतमें विराजित हैं। अनन्तस्वरूपा विष्णुमयी शक्ति समस्त जीवोंके लिए सभी प्रकारका मङ्गल विधान करनेके उद्देश्यसे परमशुभ एकादशी तिथिके रूपमें प्रकटित है।"

(श्रील गुरुदेवके प्रवचनसे उद्धृत)

एकादशी व्रतोपवासका वास्तविक उद्देश्य श्रीभगवान्के प्रति प्रेमभक्ति प्राप्त करना है, यथा—

"शुद्ध भक्तोंके सङ्गमें इस व्रतका आचरण करनेसे धर्म-अर्थ-काम-मोक्षरूपी चतुर्वर्गके प्रति तुच्छबुद्धि जागृत होकर श्रीकृष्णके प्रति श्रवणादिरूप प्रेमलक्षण विशुद्धभक्ति प्राप्त होती है।"

(स्कन्द पुराण)

"समस्त प्रकारके भोग और सिद्धियाँ हरिभक्तिरूपा एकादशी महादेवीके पीछे सदा दासीकी भाँति अनुगमन करती हैं।"

(नारद पञ्चरात्र)

"समस्त कामनाओंको पूर्ण करनेवाला एकादशी व्रत केवल श्रीकृष्णकी प्रीतिके लिए ही पालन करना कर्त्तव्य है।"

(श्रीहरिभक्तिविलास १२/८)

एकादशी तिथिका परिचय एवं माहात्म्य

"माधव-तिथि, भक्तिजननी,
यतने पालन करि।
कृष्णवसति, वसति बलि',
परम आदरे वरि॥"

(शरणागति, श्रील भक्तिविनोद ठाकुर)

अर्थात् माधव-तिथि (एकादशी) भक्तिको जन्म देनेवाली है तथा इस तिथिमें श्रीकृष्णका साक्षात् निवास है, ऐसा जानकर परम आदरपूर्वक इस तिथिको वरणकर मैं यत्नपूर्वक इसका पालन करता हूँ।

॥ श्रीश्रीगुरु-गौराङ्गौ जयतः ॥

'श्रीहरिभक्तिविलास' नामक वैष्णवस्मृति द्वारा सम्मत
तथा
सूर्यसिद्धान्तके अनुसार गणित 'सारस्वत-केशव श्रीचैतन्य-पञ्जिका'
एवं 'विश्व पञ्चाङ्ग' पर आधारित

वैष्णव-व्रतोत्सव तालिका

मथुरा-वृन्दावन (अक्षांश-27°30' उत्तर और रेखांश-77°41' पूर्व) के लिए गणित

श्रीगौराब्द ५२६ **ई॰** २०१२-२०१३

विक्रम सम्वत् २०६८-२०६९ **भारतीयाब्द (शकाब्द)** १९३३-१९३४

श्रीकृष्णचैतन्याम्नाय दशमाधस्तनवर
श्रीगौड़ीयाचार्य-केशरी
नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजके

अनुगृहीत

नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजके

आदेश-निर्देशानुसार

उनके चरणाश्रितजनों द्वारा
सम्पादित

GAUDIYA VEDANTA PUBLICATIONS
GVP

गौड़ीय वेदान्त प्रकाशन
www.bhagavatpatrika.com

[ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजके द्वारा लिखित बंगला पञ्जिकाकी भूमिकाके आधारपर]

भूमिका

श्रीश्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजकी अहैतुकी अनुकम्पा, प्रेरणा और उनके निर्देशके अनुसार हम इस वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिकाको प्रस्तुत करनेमें समर्थ हुए हैं। यह तालिका श्रीकृष्णचैतन्यदेवके एकान्त अनुगत रूपानुग-वैष्णवोंके द्वारा पालन किए जानेवाले विशुद्ध-सिद्धान्तों एवं आचारकी प्रचारक है। जगद्गुरु श्रीश्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर प्रभुपादकी विचारधाराको लेकर ही यह तालिका सङ्कलित हुई है।

इस तालिकामें लिखित समस्त व्रतोपवास ही 'श्रीहरिभक्तिविलास' के मतानुसार हैं। वैष्णव महाजनोंके आविर्भाव-तिरोभाव, यात्रा-महोत्सव, एकादशी आदि हरिवासर, चातुर्मास्य और ऊर्जाव्रत आदि समस्त व्रतोपवासोंमें ही विद्धा विचार करना एकान्त कर्त्तव्य है। श्रीहरिभक्तिविलासमें कहा गया है—"पूर्वविद्धा सदा त्याज्या, परविद्धा सदा ग्राह्या अर्थात् पूर्वविद्धा सर्वदा त्याग करने योग्य है तथा परविद्धा ग्रहण करने योग्य है।"

उक्त विचारके अनुसार इस तालिकाको यथासम्भव निर्भूल प्रस्तुत करनेका प्रयत्न किया गया है, तथापि शीघ्र प्रकाशन हेतु असावधानीवशतः यदि कोई त्रुटि परिलक्षित हो, तो भक्तगण 'श्रीश्रीभागवत-पत्रिका' कार्यालयसे सम्पर्क करें।

शुद्ध-वैष्णवगण इस व्रतोपवास-तालिकाके विधानके अनुसार यात्रा-महोत्सव और व्रतोपवासादिका पालन करके हमारे प्रति आशीर्वाद करें—यही निवेदन है।

विशेष द्रष्टव्य

- इस पञ्जिकामें तिथियोंका निर्णय गौड़ीय-वैष्णव (गोस्वामी) मतानुसार किया गया है। इस मतानुसार सूर्योदयके समय जो तिथि रहती है, वही तिथि सम्पूर्ण दिनके लिए मान्य होती है।

- श्रीमद्भागवतके नवम-स्कन्धमें वर्णित शुद्ध-भक्त श्रीअम्बरीष महाराजके उपाख्यानसे यह जाना जाता है कि एकादशी-व्रतके अगले दिन निर्धारित समयपर व्रत नहीं खोलनेसे व्रत फलहीन हो जाता है। अतः निर्धारित समय पर ही व्रतका पारण करके व्रत खोलना चाहिए। इसी उद्देश्यसे इस पञ्जिकामें व्रतके अगले दिनमें व्रतके पारणका समय लिखा गया है।

- श्रीचैतन्य महाप्रभुके परिकरों एवं भक्तोंकी आविर्भाव और तिरोभाव तिथि पूजाके समय उन-उन भक्तोंके पावन चरित्ररूपी अमृतके आस्वादन अर्थात् श्रवण और कीर्त्तनका सौभाग्य प्राप्त करके श्रीगुरुपदाश्रित साधक शुद्ध-भजन-साधनके मार्गमें अग्रसर होनेकी प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

- इस चान्द्रवर्षमें २०-२१ मई २०१२ एवं १३ नवम्बर २०१२—ये दोनों सूर्यग्रहण तथा ४ जूनका चन्द्रग्रहण भारतवर्षमें दृश्य नहीं होनेके कारण भारत वर्षमें इन ग्रहणोंकी मान्यता नहीं होगी तथा धार्मिक दृष्टिसे सूतक, वेध, यम, नियम, स्नान, दानादि पर्व पुण्यादिकी मान्यता भी नहीं होगी।

एकादशी व्रतके पारणका नियम

यदि एकादशी व्रतका पालन निर्जला किया हो, तो चरणामृत द्वारा पारण करें, फलाहार किया हो तो अन्न-प्रसाद द्वारा पारण करें। समय पर पारण करनेसे ही एकादशीका व्रत सम्पूर्ण होता है। महाद्वादशीका व्रत उपस्थित होनेपर एकादशी तिथिके दिन व्रतका पालन न करके महाद्वादशी तिथिके दिन ही व्रतको पालन करनेका नियम है।

एकादशी एवं अन्य भगवदवतारोंके व्रतके लिए निषिद्ध खाद्य पदार्थ

- टमाटर, बैंगन, फूल गोभी, शिमला मिर्च, मटर, चना, सब प्रकारकी सेम, लोबिया, राजमा इत्यादि एवं उनसे बने पदार्थ जैसे पापड़, सोयाबीनकी दही, सोयाबीनका दूध इत्यादि।
- करेला, लौकी, परमल, तोरई, सेम, डन्ठल, भिंडी, केलेका फूल।
- सभी प्रकारकी पत्तेवाली सब्जियाँ—पालक, सलाद, पत्ता गोभी, कड़ी पत्ता, नीम पत्ता इत्यादि।
- अन्न जातीय—बाजरा, जौं, सूजी, दलिया, चावल, श्यामा चावल, मक्का, सभी प्रकारकी दालें एवं अन्न, गेहूँका आटा एवं समस्त प्रकारके आटे जैसे चावलका आटा, चनेका आटा, उड़दकी दालका आटा इत्यादि।
- मक्का या अन्नका माड़ तथा उनसे बनी या मिश्रित वस्तुएँ जैसे—बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर, कस्टर्ड, केक, हलवा, क्रीम, मिठाई, साबु-दाना इत्यादि।
- अन्न जातीय तेल जैसे मक्का तेल, सरसोंका तेल, तिलका तेल इत्यादि तथा इनमें तले हुए पदार्थ, जैसे मूंगफली, काजु, आलूके चिप्स इत्यादि।
- शहद।

एकादशीमें व्यवहार किये जानेवाले मसाले

- हल्दी, काली मिर्च, अदरक तथा शुद्ध नमक (जो अन्य दिनोंमें व्यवहृत न किया गया हो या नया पैकेट)

निषिद्ध मसाले

- तिल, जीरा, हींग, मेंथी, सरसों, इमली, सौंफ, खसखस, कलौंज, अजवाइन, इलायची, जायफल, लौंग इत्यादि।

समस्त व्रतोंमें व्यवहार किये जानेवाले खाद्य पदार्थ

- समस्त प्रकारके ताजे फल तथा मेवे तथा मेवोंसे बने तेल। आलू, कद्दू (पेठा), खीरा, मूली, कच्चा पपीता, नीम्बू, कटहल, जैतुन, नारियल।
- दूधसे बने पदार्थ।

चातुर्मास्यके समय निषिद्ध पदार्थ

- टमाटर, बैंगन, सेम, लोबिया, लौकी, परमल, उड़द दाल एवं शहद।

ग्रहणके समयमें ध्यान देने योग्य बातें

ग्रहणके समय आहार–निद्रा निषिद्ध है। मल–मूत्र त्यागको यथासम्भव रोकें तथा भगवानका नाम–संकीर्त्तन करते हुए ग्रहणके समयको व्यतीत करें।

चैत्र मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०८	१५	मार्च	बृह.	श्रील श्रीवास पण्डितका आविर्भाव।
कृ.	**११**	**१८**	**मार्च**	**रवि.**	**पापमोचनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद ९-४५ से पहले पारण)
कृ.	३०	२२	मार्च	बृह.	अमावस्या।
शु.	०५	२७	मार्च	मंगल.	श्रीरामानुजाचार्यका आविर्भाव।
शु.	**०९**	**०१**	**अप्रैल**	**रवि.**	**श्रीरामनवमी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ८-२० से पहले पारण)
शु.	**११**	**०३**	**अप्रैल**	**मंगल.**	**कामदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ६-४० से पहले पारण)
शु.	१५	०६	अप्रैल	शुक्र.	पूर्णिमा। श्रीबलदेव प्रभुकी रासयात्रा, श्रीकृष्णकी वसन्त रासयात्रा। श्रील वंशीवदनानन्द गोस्वामी और श्रील श्यामानन्द प्रभुका आविर्भाव।

वैशाख मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१२

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०७	१३ अप्रैल	शुक्र.	श्रीकेशव व्रत आरम्भ तथा तुलसीमें जलधारा दान।
कृ. १०	१६ अप्रैल	सोम.	श्रील वृन्दावनदास ठाकुरका तिरोभाव।
कृ. ११	**१७ अप्रैल**	**मंगल.**	**वरूथिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ७-१७ से पहले पारण)
कृ. ३०	२१ अप्रैल	शनि.	अमावस्या।
शु. ०३	**२४ अप्रैल**	**मंगल.**	अक्षय तृतीया। **श्रीश्रीजगन्नाथदेवकी चन्दन-यात्रा आरम्भ,** श्रीबद्रीनारायणजीका द्वारोद्घाटन। श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिका प्रतिष्ठा-दिवस।
शु. ०९	३० अप्रैल	सोम.	श्रीनित्यानन्दशक्ति जाह्नवादेवी तथा श्रीरामशक्ति सीतादेवीका आविर्भाव। श्रीमधु पण्डितका तिरोभाव।
शु. ११	**०२ मई**	**बुध.**	**मोहिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-२४ से पहले पारण)
शु. १४	**०५ मई**	**शनि.**	**स्वाती नक्षत्र तथा शनिवार संयुक्त महाफलदायक श्रीनृसिंह चतुर्दशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-२४ से पहले पारण)
शु. १५	०६ मई	रवि.	पूर्णिमा। श्रील श्रीनिवास आचार्य प्रभु और श्रील माधवेन्द्र पुरीपादका आविर्भाव। श्रीपरमेश्वरी ठाकुरका तिरोभाव।

ज्येष्ठ मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई॰ २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०५	१०	मई	बृह.	श्रील रायरामानन्द प्रभुका तिरोभाव।
कृ.	०९	१४	मई	सोम.	श्रीकेशव व्रत समाप्त।
कृ.	**११**	**१६**	**मई**	**बुध.**	**अपरा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-२० से पहले पारण)
कृ.	३०	२०	मई	रवि.	अमावस्या। श्रील गदाधर पण्डितका आविर्भाव। वलयग्रास सूर्यग्रहण (उत्तर, पश्चिम तथा दक्षिण भारतमें अदृश्य)।
शु.	०९ +१०	३०	मई	बुध.	दशहरा, गंगापूजा। श्रीगंगामाता गोस्वामिनीका आविर्भाव।श्रील बलदेव विद्याभूषण प्रभुका तिरोभाव।
शु.	**१२**	**०१**	**जून**	**शुक्र.**	**पाण्डवा निर्जला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-२० से पहले पारण)।
शु.	१३	०२	जून	शनि.	श्रीपाट पाणिहाटीमें श्रील रघुनाथदास गोस्वामीका दण्ड-महोत्सव।
शु.	१५	०४	जून	सोम.	पूर्णिमा। **श्रीजगन्नाथदेवकी स्नानयात्रा।** श्रील मुकुन्द दत्त और श्रील श्रीधर पण्डितका तिरोभाव। आंशिकग्रास चन्द्रग्रहण (भारतवर्षमें अदृश्य)

आषाढ़ मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई॰ २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०१	०५	जून	मंगल.	श्रील श्यामानन्द प्रभुका तिरोभाव।
कृ.	०५	०९	जून	शनि.	श्रील वक्रेश्वर पण्डितका आविर्भाव।
कृ.	१०	१४	जून	बृह.	श्रील श्रीवास पण्डितका तिरोभाव।
कृ.	**११**	**१५**	**जून**	**शुक्र.**	**योगिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-२३ से पहले पारण)
कृ.	३०	१९	जून	मंगल.	अमावस्या। श्रील गदाधर पण्डित और श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका तिरोभाव।
शु.	०१	२०	जून	बुध.	श्रीगुण्डिचा-मन्दिर-मार्जन।
शु.	**०२**	**२१**	**जून**	**बृह.**	**श्रीजगन्नाथदेवकी रथयात्रा।** श्रीस्वरूप दामोदर गोस्वामी और श्रीशिवानन्दसेन का तिरोभाव।
शु.	०६	२५	जून	सोम.	हेरा पञ्चमी। श्रीलक्ष्मी-विजय।
शु.	१०	२९	जून	शुक्र.	श्रीजगन्नाथदेवकी पुनर्यात्रा। श्रीरथयात्रा-महोत्सव समाप्ति। श्रीश्रीमद्भक्तिकमल मधुसूदन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु.	**११**	**३०**	**जून**	**शनि.**	**शयनी एकादशी व्रतोपवास।** श्रीहरिशयन। (अगले दिन सूर्योदयके बाद ६-५५ से पहले पारण)।
शु.	**१५**	०३	**जुलाई**	**मंगल.**	**श्रीगुरुपूर्णिमा, श्रीव्यासपूजा (श्रीकेशवजी गौड़ीय मठ—मथुरामें)।** श्रील सनातन गोस्वामीका तिरोभाव। **चातुर्मास्य व्रत प्रारम्भ**—श्रावणमें शाक (हरे पत्ते), भाद्रमें दही, आश्विनमें दूध, कार्तिकमें सरसोंके तेल इत्यादिका परित्याग।

श्रावण मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०१	०४	जुलाई	बुध.	श्रील प्रबोधानन्द सरस्वती गोस्वामीका तिरोभाव।
कृ.	०५	०८	जुलाई	रवि.	श्रील गोपालभट्ट गोस्वामीका तिरोभाव।
कृ.	०८	११	जुलाई	बुध.	श्रील लोकनाथ गोस्वामीका तिरोभाव।
कृ.	**११**	**१४**	**जुलाई**	**शनि.**	**कामिका एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन ९-०२के बाद और ९-२९से पहले पारण) [१५ जुलाईको मथुरा-वृन्दावनमें सूर्योदयसे पहले ही द्वादशी तिथि समाप्त होनेके कारण **व्यञ्जुली महाद्वादशी पालनीय नहीं है**]
कृ.	३०	१९	जुलाई	बृह.	अमावस्या। श्रीश्रीमद्भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु.	**११**	**२९**	**जुलाई**	**रवि.**	**पवित्रारोपणी एकादशी व्रतोपवास।** श्रीश्रीराधा-गोविन्दकी झूलनयात्रा आरम्भ। (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और ९-३१ से पहले पारण)
शु.	१२	३०	जुलाई	सोम.	श्रील रूप गोस्वामी, श्रील गौरीदास पण्डित तथा श्रीगोविन्ददास पण्डितका तिरोभाव।
शु.	**१५**	**०२**	**अगस्त**	**बृह.**	**श्रीबलदेव पूर्णिमा व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और ७-०० से पहले पारण)। श्रीश्रीराधागोविन्दकी झूलन यात्रा समाप्ति। रक्षाबन्धन।

भाद्र मास—पुरुषोत्तम मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई॰ २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	**०८**	**१०**	**अगस्त**	**शुक्र.**	**श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और ९-३१ से पहले पारण)
कृ.	०९	११	अगस्त	शनि.	श्रीनन्दोत्सव। श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ.	**११**	**१३**	**अगस्त**	**सोम.**	**अन्नदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और ९-३० से पहले पारण)
कृ.	३०	१७	अगस्त	शुक्र.	अमावस्या। रात्रि ८-५० से श्रीपुरुषोत्तम मास आरम्भ।
शु.	**०१**	**१८**	**अगस्त**	**शनि.**	**श्रीपुरुषोत्तम व्रत प्रारम्भ।**
शु.	**११**	**२७**	**अगस्त**	**सोम.**	**कामदा* एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-२७ से पहले पारण)
शु.	१५	३१	अगस्त	शुक्र.	पूर्णिमा।
कृ.	**११**	**१२**	**सितम्बर**	**बुध.**	**कमला* एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-३० से पहले पारण)
कृ.	**३०**	**१६**	**सितम्बर**	**रवि.**	**अमावस्या। प्रातः ७-४५ के उपरान्त श्रीपुरुषोत्तमव्रत समाप्त।**

[*पद्मपुराणके अनुसार नाम]

भाद्र मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु.	०५	२० सितम्बर	बृह.	श्रीअद्वैतपत्नी सीतादेवीका आविर्भाव।
शु.	०७	२२ सितम्बर	शनि.	श्रीललिता सप्तमी।
शु.	**०८**	**२३ सितम्बर**	**रवि.**	**श्रीश्रीराधाष्टमी व्रत।**
शु.	**११**	**२६ सितम्बर**	**बुध.**	**पार्श्व एकादशी व्रतोपवास। श्रीविष्णुशृंखल योग (एकादशी+द्वादशी+श्रवणा नक्षत्रका योग)** (अगले दिन प्रातः श्रीवामनदेवके अर्चनके उपरान्त ८-१५ से पहले पारण)
शु.	१२	२७ सितम्बर	बृह.	श्रीवामन द्वादशी, श्रीवामनदेवका आविर्भाव। श्रील जीव गोस्वामीका आविर्भाव।
शु.	१३	२८ सितम्बर	शुक्र.	श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका आविर्भाव।
शु.	१४	२९ सितम्बर	शनि.	श्रील हरिदास ठाकुरका तिरोभाव।
शु.	१५	३० सितम्बर	रवि.	पूर्णिमा। श्रीविश्वरूप महोत्सव। नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका संन्यास ग्रहण दिवस।

आश्विन मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१२

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०६	०६ अक्टूबर	शनि.	श्रीश्रीमद्भक्तिश्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ११	**११ अक्टूबर**	**बृह.**	**इन्दिरा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद ९-२७ से पहले पारण।)
कृ. ३०	१५ अक्टूबर	सोम.	अमावस्या।
शु. ०४	१९ अक्टूबर	शुक्र.	श्रीश्रीमद्भक्तिप्रमोद पुरी गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. १०	२४ अक्टूबर	बुध.	भगवान् श्रीरामचन्द्रजीका शुभ विजयोत्सव। श्रीमन्मध्वाचार्यका आविर्भाव।
शु. ११	**२५ अक्टूबर**	**बृह.**	**पापाङ्कुशा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और ९-२८ से पहले पारण)।
शु. १२	२६ अक्टूबर	शुक्र.	श्रील रघुनाथदास गोस्वामी, श्रील रघुनाथभट्ट गोस्वामी एवं श्रील कृष्णदास कविराज गोस्वामीका तिरोभाव।
शु. १५	**२९ अक्टूबर**	**सोम.**	**शरद पूर्णिमा। श्रीकृष्णकी शारदीय रासलीला। कार्तिकव्रत, ऊर्जाव्रत, दामोदरव्रत, नियम सेवा प्रारम्भ। श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिके प्रतिष्ठाता ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका ४३वाँ वर्षपूर्त्ति विरह-महोत्सव।**

कार्तिक मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०५	०४	नवम्बर	रवि.	श्रील नरोत्तमदास ठाकुर एवं श्रीश्रीमद्भक्तिकुशल नारसिंह महाराजका तिरोभाव।
कृ.	०८	०७	नवम्बर	बुध.	बहुलाष्टमी। श्रीराधाकुण्डमें स्नान-दानादि महोत्सव।
कृ.	०९	०८	नवम्बर	बृह.	श्रीश्रीमद्भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ.	**११**	**१०**	**नवम्बर**	**शनि.**	**रमा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-३० से पहले पारण)
कृ.	१२	११	नवम्बर	रवि.	श्रीखण्डवासी नरहरि सरकार ठाकुरका तिरोभाव
कृ.	३०	१३	नवम्बर	मंगल.	अमावस्या। श्रीविष्णु मन्दिरमें दीपदान। दीपावली। पूर्णग्रास सूर्यग्रहण (भारतमें अदृश्य)।

कार्तिक मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु.	०१	१४ नवम्बर	बुध.	श्रीगोवर्धन पूजा, अन्नकूट महोत्सव, गोक्रीड़ा और गोपूजा। श्रील रसिकानन्द प्रभुका आविर्भाव।
शु.	०२	१५ नवम्बर	बृह.	भ्रातृद्वितीया (भैया दूज), यमद्वितीया। श्रीवासुदेव घोषका तिरोभाव।
शु.	**०३**	**१६ नवम्बर**	**शुक्र.**	**नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।**
शु.	**०४**	**१७ नवम्बर**	**शनि.**	**श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका तिरोभाव।**
शु.	०५	१८ नवम्बर	रवि.	श्रीश्रीमद्भक्तिश्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु.	०८	२१ नवम्बर	बुध.	गोपाष्टमी। श्रील श्रीनिवास आचार्य, श्रील धनञ्जय पण्डित एवं श्रील गदाधर दास ठाकुरका तिरोभाव।
शु.	**११**	**२४ नवम्बर**	**शनि.**	**उत्थान एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-२७ से पहले पारण)। श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराजका तिरोभाव। भीष्मपञ्चक।
शु.	१४	२७ नवम्बर	मंगल.	श्रील भूगर्भ गोस्वामी एवं श्रील काशीश्वर पण्डितका तिरोभाव। श्रीश्रीमद्भक्तिप्रमोद पुरी गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु.	**१५**	**२८ नवम्बर**	**बुध.**	**पूर्णिमा। श्रीकृष्णकी हैमन्तिकी रासयात्रा। चातुर्मास्य-व्रत, कार्तिक-व्रत, नियम सेवा समाप्त।**

मार्गशीर्ष मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१२

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०१	२९	नवम्बर	बृह.	श्रीकात्यायनी व्रत आरम्भ।
कृ.	**११**	**०९**	**दिसम्बर**	**रवि.**	**उत्पन्ना एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-३५ से पहले पारण)
कृ.	३०	१३	दिसम्बर	बृह.	अमावस्या।
शु.	०३	१६	दिसम्बर	रवि.	श्रीश्रीमद्भक्तिजीवन जनार्दन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु.	०८	२०	दिसम्बर	बृह.	श्रीश्रीमद्भक्तिजीवन जनार्दन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु.	**१२**	**२४**	**दिसम्बर**	**सोम.**	**व्यञ्जुली महाद्वादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ७-५० से पहले पारण)
शु.	१५	२८	दिसम्बर	शुक्र.	पूर्णिमा। श्रीकात्यायनी व्रत समाप्त।

पौष मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई॰ २०१३

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	**०४**	**०१**	**जनवरी**	**मंगल**	**जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादका ७५वाँ विरह-महोत्सव।**
कृ.	**०९**	**०६**	**जनवरी**	**रवि.**	**नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराजकी ९२वीं आविर्भाव-तिथि पूजा। नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजका द्वितीय वर्षपूर्त्ति विरह-महोत्सव।**
कृ.	**११**	**०८**	**जनवरी**	**मंगल.**	**सफला एकादशी व्रतोपवास।** श्रीदेवानन्द पण्डितका तिरोभाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ८-०५ से पहले पारण)
कृ.	३०	११	जनवरी	शुक्र.	अमावस्या।
शु.	**०३**	**१४**	**जनवरी**	**सोम.**	**मकर संक्रान्ति, गंगासागर स्नान।** श्रील जीव गोस्वामीका तिरोभाव।
शु.	**११**	**२२**	**जनवरी**	**मंगल.**	**पुत्रदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन ८-२५ के बाद और १०-०० से पहले पारण।)
शु.	१२	२३	जनवरी	बुध.	श्रील जगदीश पण्डितका तिरोभाव
शु.	१५	२७	जनवरी	रवि.	पूर्णिमा।

माघ मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई॰ २०१३

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०३	३०	जनवरी	बुध.	श्रील गोपालभट्ट गोस्वामीका आविर्भाव। श्रील रामचन्द्र कविराजका तिरोभाव।
कृ.	०५	०१	फरवरी	शुक्र.	श्रील नरहरि सेवाविग्रह प्रभुका तिरोभाव।
कृ.	०६	०२	फरवरी	शनि.	श्रील जयदेव गोस्वामीका तिरोभाव।
कृ.	०९	०४	फरवरी	सोम.	श्रील लोचनदास ठाकुरका तिरोभाव।
कृ.	**११**	**०६**	**फरवरी**	**बुध.**	**षट्तिला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०० बज़ेसे पहले पारण)।
कृ.	**१२**	**०७**	**फरवरी**	**बृह.**	**श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।**
कृ.	**३०**	**१०**	**फरवरी**	**रवि.**	**मौनी अमावस्या। श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति ट्रस्टके प्राक्तन सभापति-अध्यक्ष नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजकी ९२वीं आविर्भाव तिथिपूजा। श्रीव्यासपूजा महोत्सव।**

माघ मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१३

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०५	१५ फरवरी	शुक्र.	श्रीकृष्णकी वसन्त पञ्चमी। श्रीगौरशक्ति विष्णुप्रियादेवी, श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी और श्रील रघुनन्दन ठाकुरका आविर्भाव। श्रील विश्वनाथ चक्रवर्त्ती ठाकुर और श्रीश्रीमद्भक्तिविवेक भारती गोस्वामी महाराजजीका तिरोभाव। श्रीसरस्वती पूजा।
शु. ०७	**१७ फरवरी**	**रवि.**	**महाविष्णुके अवतार श्रीअद्वैताचार्य प्रभुका आविर्भाव व्रतोपवास।** माकरी सप्तमी (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-५० से पहले पारण)
शु. ०९	१९ फरवरी	मंगल.	श्रीमन्मध्वाचार्यका तिरोभाव।
शु. १०	२० फरवरी	बुध.	श्रील रामानुजाचार्यका तिरोभाव।
शु. ११	**२१ फरवरी**	**बृह.**	**जया एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-५० से पहले पारण)
शु. १२	२२ फरवरी	शुक्र.	श्रीवराह द्वादशी, श्रीवराहदेवका आविर्भाव।
शु. १३	**२३ फरवरी**	**शनि.**	**श्रीनित्यानन्द त्रयोदशी व्रतोपवास, श्रीनित्यानन्द प्रभुका आविर्भाव।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-५० से पहले पारण।)
शु. १५	२५ फरवरी	सोम.	पूर्णिमा।

फाल्गुन मास

श्रीगौराब्द ५२६
ई० २०१३

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०३	**२८ फरवरी**	**बृह.**	**श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिके प्रतिष्ठाता-नियामक नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजकी ११५वीं आविर्भाव तिथिपूजा।**
कृ. ०५	**०२ मार्च**	**शनि.**	**जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद परमहंस अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादकी १४०वीं आविर्भाव तिथिपूजा।**
कृ. ०६	०३ मार्च	रवि.	श्रीश्रीमद्भक्तिसारंग गोस्वामी महाराजजीका आविर्भाव
कृ. ११+ १२+१३	**०८ मार्च**	**शुक्र.**	**त्रिस्पृशा महाद्वादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-५० से पहले पारण)
कृ. १४	**१० मार्च**	**रवि.**	**श्रीशिवरात्रि व्रत।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-४२ से पहले पारण)
कृ. ३०	११ मार्च	सोम.	अमावस्या।
शु. ०१	१२ मार्च	मंगल.	श्रील जगन्नाथदास बाबाजी महाराज, श्रील रसिकानन्द प्रभु और श्रीश्रीमद्भक्तिदयित माधव गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ०९	२१ मार्च	बृह.	श्रीनवद्वीप-धाम परिक्रमाका संकल्प ग्रहण। (परिक्रमा काल २२ से २६ मार्च तक)
शु. ११	२३ मार्च	शनि.	**आमलकी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-४४ से पहले पारण)
शु. १५	**२७ मार्च**	**बुध.**	**श्रीगौर पूर्णिमा, श्रीगौर जयन्तीका उपवास, महाभिषेक एवं संकीर्तन महोत्सव।** होली। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-४०से पहले पारण।)

श्रीगौराब्द ५२६ समाप्त

चैत्र मास

श्रीगौराब्द ५२७
ई॰ २०१३

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०८	०३	अप्रैल	बुध.	श्रील श्रीवास पण्डितका आविर्भाव।
कृ.	**११**	**०६**	**अप्रैल**	**शनि.**	**पापमोचनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और ९-३० से पहले पारण)
कृ.	३०	१०	अप्रैल	बुध.	अमावस्या।

श्रील गुरुदेव ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजजी द्वारा भारतमें प्रतिष्ठित शुद्धभक्ति प्रचार केन्द्रसमूह

१. **श्रीकेशवजी गौड़ीय मठ**, जवाहर हाट, मथुरा, उ. प्र. ☎ ०८७९१२७३३०६

२. **श्रीरूप-सनातन गौड़ीय मठ**, दानगली, वृन्दावन, उ. प्र. ☎ ०९२१९४७८००१

३. **श्रीश्रीकेशवजी गौड़ीय मठ**, कोलेरडाङ्गा लेन, नवद्वीप, नदीया, प. बं. ☎ ०९३३३२२२७७५

४. **श्रीदुर्वासा-ऋषि गौड़ीय आश्रम**, ईशापुर, मथुरा, उ. प्र. ☎ ०९९१७६४३९७१

५. **श्रीदाऊजी गौड़ीय मठ**, कैलास मार्ग, पो. बलदेव, उ. प्र. ☎ (०५६६१)२५३१६५

६. **श्रीगिरिधारी गौड़ीय मठ**, दसविसा, राधाकुण्ड रोड़, गोवर्धन, उ. प्र. ☎ (०५६५)२८१५६६८/ ०९७६०१७९५६०

७. **श्रीरमणबिहारी गौड़ीय मठ**, बी-३, जनकपुरी, नई दिल्ली ☎ (०११)२५५३३२६८/ ०९८७१५७७३५४

८. **श्रीवामन गोस्वामी गौड़ीय मठ**, ३९ रामानन्द चटर्जी स्ट्रीट, कोलकाता-९ ☎ (०३३)२३५२२१३१/ ०९४३३२०३७१८

९. **श्रीरङ्गनाथ गौड़ीय मठ**, सर्वे-२६, हेसेरघट्टा, नृत्यग्राम कुटीरके पास, बङ्गलोर ☎ २८४६६७६०

१०. **आनन्द धाम गौड़ीय आश्रम**, परिक्रमा मार्ग, रमणरेती, वृन्दावन, उ. प्र. ☎ (०५६५)२५४०८४९

११. **श्रीराधागोविन्द गौड़ीय मठ**, डी-५, सेक्टर-५५, नोएडा (उ.प्र.) ☎ (०१२०)२५८२०१८

१२. **श्रीश्रीगोविन्दजी गौड़ीय मठ**, मकान-२, गली-५, रूपनगर एन्क्लेव, जम्मू ☎ ०९९०६९०४८०९

१३. **श्रीराधामाधवजी गौडीय मठ**, माधवी कुञ्ज, भूपतवाला, हरिद्वार ☎ (०१३३४)२६०८४५

१४. **जयश्री दामोदर गौड़ीय मठ**, चक्रतीर्थ, पुरी, उड़ीसा ☎ ०९७७६२३८३२८

१५. **श्रीराधाविनोदविहारी गौड़ीय मठ**, ३३ गार्डन लेआौट, २४वाँ मैंन रोड़, सेक्टर-२, एच.एस.आर लेऔट, बङ्गलूरु-५६०१०२ ☎ ०९३४१४८४९०३

१६. **श्रीराधामाधव गौड़ीय मठ**, २५३६, सेक्टर-१६, फरीदाबाद, हरियाणा ☎ ०९९११२८३८६९

गौड़ीय वेदान्त प्रकाशनसे प्रकाशित ग्रन्थावली

१. श्रीमद्भगवद्गीता
२. जैवधर्म (जीवका धर्म)
३. श्रीचैतन्य शिक्षामृत
४. श्रीचैतन्यमहाप्रभुके स्वयं-भगवत्ता-प्रतिपादक कतिपय शास्त्रीयप्रमाण
५. श्रीचैतन्यमहाप्रभुकी शिक्षा
६. भक्तितत्त्व-विवेक
७. श्रीगौड़ीय गीतिगुच्छ
८. श्रीवैष्णव सिद्धान्तमाला
९. श्रीउपदेशामृत
१०. श्रीशिक्षाष्टक
११. श्रीमनः शिक्षा
१२. श्रीभक्तिरसामृतसिन्धुबिन्दु
१३. श्रीउज्ज्वलनीलमणिकिरण
१४. श्रीभागवतामृतकणा
१५. श्रीरागवर्त्मचन्द्रिका
१६. सत्क्रियासार-दीपिका
१७. अर्चन दीपिका
१८. मायावादकी जीवनी
१९. श्रीगौड़ीय कण्ठहार
२०. वेणुगीत
२१. श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका चरित एवं शिक्षा
२२. श्रीभजनरहस्य
२३. श्रीव्रजमण्डल परिक्रमा
२४. श्रीप्रबन्धपञ्चकम्
२५. महर्षि दुर्वासा और श्रीदुर्वासा आश्रम
२६. श्रीब्रह्मसंहिता
२७. श्रीरायरामानन्द सम्वाद
२८. श्रीश्रीबृहद्भागवतामृतम् (तीन खण्डोंमें)
२९. श्रीश्रीप्रेमसम्पुट
३०. श्रीश्रीचमत्कारचन्द्रिका
३१. श्रीउज्ज्वलनीलमणि (सम्पूर्ण)
३२. श्रीमाधुर्य कादम्बिनी
३३. श्रीदामोदराष्टकम्
३४. श्रीनवद्वीपधाम माहात्म्य (परिक्रमा-खण्ड)
३५. श्रीश्रीराधाकृष्णगणोद्देश-दीपिका
३६. श्रीश्रीगौरगणोद्देश-दीपिका
३७. श्रीभागवतार्कमरीचिमाला
३८ श्रीमद्भागवतीय चतुःश्लोकी
३९. श्रीसंकल्पकल्पद्रुम
४०. श्रीरासपञ्चाध्यायी
४१. श्रीप्रेमप्रदीप
४२. श्रीरथयात्रा
४३. नामाचार्य श्रील हरिदास ठाकुर
४४. चार वैष्णव आचार्य एवं श्रीगौड़ीय दर्शन
४५. श्रीमद्भागवतम् प्रथम खण्ड (स्कन्ध १-४)
४६. श्रीमद्भागवत् दशम स्कन्ध प्रथम खण्ड (अध्याय १-८)
४७. श्रीरूपानुग वैष्णवाचार्य
४८. श्रीश्रीभागवत-पत्रिका (मासिक)

श्रीश्रीभागवत–पत्रिका

पारमार्थिक सचित्र रंगीन हिन्दी मासिक पत्रिका

एक वर्षीय (1 yr) – 300 रु॰

पञ्च वर्षीय (5 yr) – 1,200 रु॰

आजीवन (Lifetime) – 7,500 रु॰
[750 रु॰ के भक्तिग्रन्थ उपहार]

संरक्षक (Patron) – 10,000 रु॰
[1000 रु॰ के भक्तिग्रन्थ उपहार]

कृपया **www.bhagavatpatrika.com** वैबसाइटपर जायें और वहाँ दिये गये निर्देशके अनुसार सदस्य बनें।

सदस्यता भुगतानके लिए

(१) **Bank to bank NEFT transfer**

Account name:	SRI BHAGVAT PATRIKA SRI GOUDIYA
Account no. :	037201000010611
IFSC code:	IOBA0000372
Bank:	Indian Overseas bank

(२) **Demand draft or Cheque** (account payee) payable to: "SRI BHAGVAT PATRIKA SRI GOUDIYA" निम्न दिये गये पतेपर Demand draft or Cheque भेजें।

(३) **Money order** निम्न दिये गये पतेपर भेजें।

सम्पर्क सूत्र

श्रीश्रीभागवत–पत्रिका कार्यालय
श्रीकेशवजी गौड़ीय मठ

जवाहर हाट, मथुरा–२८१००१ (उ.प्र.) फोन–०८७९१२७३३०६
www.bhagavatpatrika.com e-mail: mathuramath@gmail.com